कीटनाशक और आई.क्यू.

एक अध्ययन में पाया गया है कि गर्भ में कीटनाशक से संपर्क का असर बच्चे के आई.क्यू. पर पड़ता है। यह अध्ययन कैलिफोर्निया की सेलिनास घाटी और न्यूयॉर्क सिटी में किया गया था।

एनवायर्मेंटल हेल्थ परस्पेक्टिव में प्रकाशित अध्ययन में बताया गया है कि गर्भवती महिलाओं की पेशाब में और गर्भनाल के रक्त में शरीर में ऑर्गेनोफॉस्फेट कीटनाशियों के विघटन से बनने वाले पदार्थों का मापन किया गया था।

कैलिफोर्निया में हुए अध्ययन में यह देखा गया कि जिन महिलाओं में कीटनाशकों का सर्वोच्च स्तर पाया गया था, उनके सात-वर्षीय बच्चों का आई.क्यू. उन महिलाओं के बच्चों के आई.क्यू. से औसतन 7 पॉइन्ट कम मिला जिनके शरीर में कीटनाशकों का सबसे कम स्तर था।

यह भी जांच की गई थी कि खुद बच्चों के शरीर में कीटनाशक विघटन के पदार्थों का स्तर क्या है। पाया गया कि बच्चे के शरीर में कीटनाशक के स्तर का आई.क्यू. पर कोई असर नहीं पड़ता। इससे लगता है कि भ्रूणावस्था में मस्तिष्क सबसे ज़्यादा ज़ोखिम में होता है।

न्यूयॉर्क सिटी में किए गए अध्ययन के परिणाम भी ऐसे ही थे। शोधकर्ता ब्रेण्डा एस्केनेज़ी का कहना है कि खेतों पर जो कीटनाशक छिड़काव होता है, यह उसका असर नहीं है। दरअसल ये बच्चे अपनी मां के माध्यम से कीटनाशकों के संपर्क में आ रहे हैं। यानी मुख्य स्रोत तो भोजन में पाए जाने वाले कीटनाशक अवशेष हैं। ***(स्रोत फीचर्स)***